>

Title: Need to construct a direct rail line between Bastar and Raipur in Chhattisgarh- Laid

श्री दीपक बैज (बस्तर): बस्तर जिले से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर 300 किलोमीटर की दूरी है । यहां पहुंचने के लिए आवागमन का एक मात्र सड़क मार्ग है । यह जिला पूर्णतः आदिवासी, पिछड़ा एवं नक्सलप्रभावित क्षेत्र है ।

इस क्षेत्र में लौह अयस्क व खनिज संपदा का भंडार है, जिसका वर्षों से निर्यात बड़े पैमाने पर हो रहा है । वर्तमान में इस क्षेत्र में जो रेल मार्ग है वह निर्यात को ध्यान में रखके जगदलपुर से ओडिसा, विशाखापपत्तनम के लिए खनिज परिवहन के लिहाज से बनाया गया है । यात्री ट्रेन उडीसा होते हुए लंबी दूरी तय करके रायपुर 15 से 16 घंटे में पहुंचती है, जबकि रायपुर की 300 किलोमीटर की सीधी दूरी रेल मार्ग से 4 घंटे में पूर्ण हो सकती है । परन्तु बस्तर क्षेत्र यात्री ट्रेन की सुविधाजनक एवं किफायती सेवा से वंचित है । आज पर्यत जगदलपुर से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर तक रेल मार्ग से नहीं जोड़ा गया है । जबकि इस क्षेत्र की खनिज संपदा से सरकार को करोड़ों-अरबों रूपया का राजस्व प्राप्त हो रहा है ।

अतः मेरी मांग है कि कोन्डागांव होते हुए कांकेर तक लगभग 100 किलोमीटर नयी रेल लाइन का निर्माण रेल मंत्रालय करवाए जिससे छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर तक 16 घंटे के स्थान पर 4 घंटे में बस्तर क्षेत्र की जनता सीधे रेल मार्ग से पहुंच सके ।